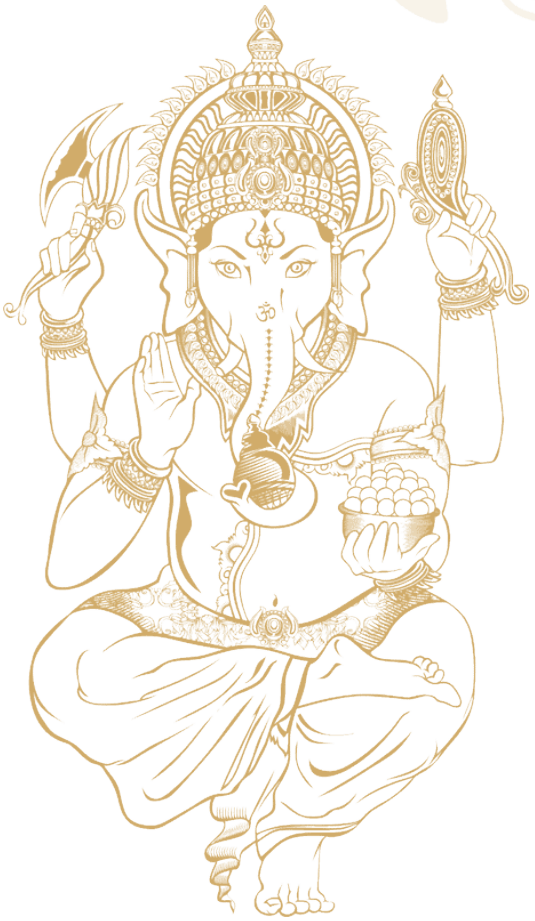

Shantanu Subhash Gaikwad

19 Jul 2012

11:35 PM

Pune

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121599621

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/07/2012**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:35:00 घंटे**
इष्ट	43:38:54 घटी
स्थान	**Pune**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:34:00 उत्तर
रेखांश	73:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:00:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:19 घंटे
साम्पातिक काल	18:52:36 घंटे
सूर्योदय	06:07:26 घंटे
सूर्यास्त	19:13:08 घंटे
दिनमान	13:05:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:31:45 कर्क
लग्न के अंश	22:44:41 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वज्र
करण	बव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	22:44:41	451:34:15	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	03:31:45	00:57:17	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	10:16:20	12:51:09	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	स्वराशि
मंगल			कन्या	14:57:34	00:34:06	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	कर्क	17:44:58	00:22:01	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			वृष	14:07:39	00:11:25	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	21:26:26	00:38:09	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि			कन्या	29:19:31	00:02:22	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	09:51:51	00:09:01	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:51:51	00:09:01	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		मीन	14:35:52	00:00:18	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
नेप	व		कुंभ	08:43:06	00:01:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	13:50:17	00:01:25	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	18:10:24	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

के.पी. अयनांश : 23:55:38

लग्न-चलित

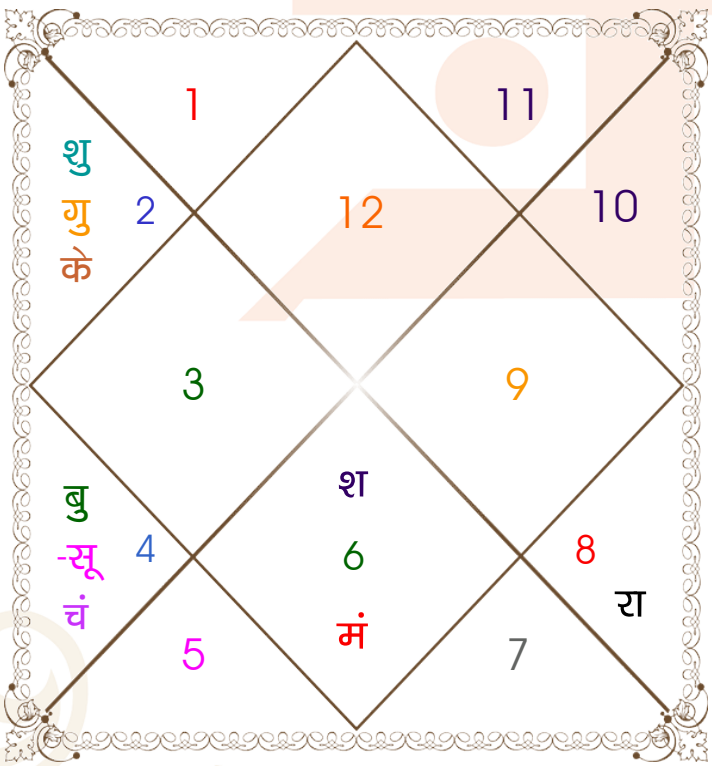

चन्द्र कुंडली

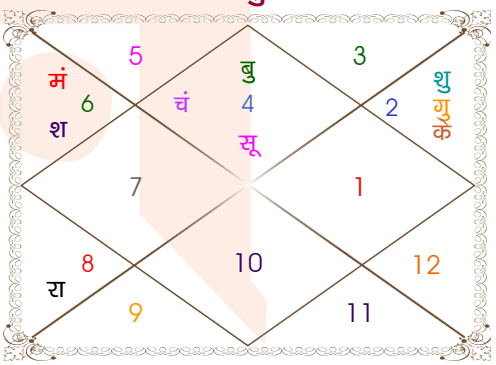

नवमांश कुंडली

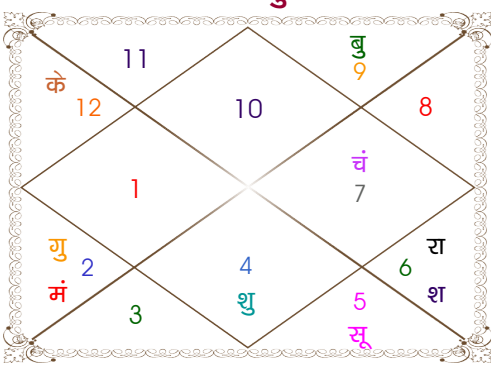

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 1 मास 10 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/07/2012		30/08/2021		30/08/2038		30/08/2045		30/08/2065	
30/08/2021		30/08/2038		30/08/2045		30/08/2065		30/08/2071	
	00/00/0000	बुध	26/01/2024	केतु	26/01/2039	शुक्र	29/12/2048	सूर्य	17/12/2065
	00/00/0000	केतु	23/01/2025	शुक्र	27/03/2040	सूर्य	29/12/2049	चंद्र	18/06/2066
	19/07/2012	शुक्र	23/11/2027	सूर्य	02/08/2040	चंद्र	30/08/2051	मंगल	24/10/2066
शुक्र	20/08/2012	सूर्य	29/09/2028	चंद्र	03/03/2041	मंगल	29/10/2052	राहु	17/09/2067
सूर्य	02/08/2013	चंद्र	28/02/2030	मंगल	30/07/2041	राहु	30/10/2055	गुरु	06/07/2068
चंद्र	04/03/2015	मंगल	25/02/2031	राहु	18/08/2042	गुरु	30/06/2058	शनि	18/06/2069
मंगल	11/04/2016	राहु	14/09/2033	गुरु	25/07/2043	शनि	30/08/2061	बुध	24/04/2070
राहु	16/02/2019	गुरु	21/12/2035	शनि	01/09/2044	बुध	30/06/2064	केतु	30/08/2070
गुरु	30/08/2021	शनि	30/08/2038	बुध	30/08/2045	केतु	30/08/2065	शुक्र	30/08/2071

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
30/08/2071		30/08/2081		29/08/2088		31/08/2106		31/08/2122	
30/08/2081		29/08/2088		31/08/2106		31/08/2122		00/00/0000	
चंद्र	30/06/2072	मंगल	26/01/2082	राहु	13/05/2091	गुरु	18/10/2108	शनि	03/09/2125
मंगल	29/01/2073	राहु	13/02/2083	गुरु	05/10/2093	शनि	01/05/2111	बुध	13/05/2128
राहु	30/07/2074	गुरु	20/01/2084	शनि	11/08/2096	बुध	06/08/2113	केतु	22/06/2129
गुरु	29/11/2075	शनि	28/02/2085	बुध	01/03/2099	केतु	13/07/2114	शुक्र	20/07/2132
शनि	30/06/2077	बुध	25/02/2086	केतु	19/03/2100	शुक्र	13/03/2117		00/00/0000
बुध	29/11/2078	केतु	24/07/2086	शुक्र	20/03/2103	सूर्य	30/12/2117		00/00/0000
केतु	30/06/2079	शुक्र	24/09/2087	सूर्य	12/02/2104	चंद्र	01/05/2119		00/00/0000
शुक्र	28/02/2081	सूर्य	29/01/2088	चंद्र	12/08/2105	मंगल	06/04/2120		00/00/0000
सूर्य	30/08/2081	चंद्र	29/08/2088	मंगल	31/08/2106	राहु	31/08/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 0 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया गया है। यदि आप वासना के प्रति अपने मनोवृति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल व्यक्ति बन जाएंगे। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझे जाएंगे तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रूचिवान रहेंगे तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखे जाएंगे।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगे। आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करते रहोगे। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगे। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपकें सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रूचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगे तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करते हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करते हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करते हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगे। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगे।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगे। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंवे। इसके पश्चात आपकी

आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकते हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगे। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धुम्रपान किए तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।